1954 से 50 प्रतिशत की सहायता से सड़ाने वाले छोटे कच्चे तालाब बनाये जा रहे हैं और अक्तूबर, 1965 तक 6638 तालाब बन चुके हैं। चालू वित्तीय वर्ष के दौरान बिहार सरकार द्वारा उन्नत पटसन सड़ाने वाले तालाबों के लिए एक केन्द्रीय प्रायोजित योजना स्वीकृत की जा चुकी है। केन्द्रीय सरकार लागत का 25 प्रतिशत सहायता देगी और शेष 75 प्रतिशत मध्यकालीन ऋण के रूप में दिया जाएगा।

(3) सूत के क्रमीकरण में पटसन उत्पादकों को प्रशिक्षित करने के लिए पर्यटनशील दलों को बिहार भेजा जाता है।

(4) सड़ाने के दौरान पटसन के बन्डलों को ढकने के लिए सीमेंट की शिलाओं का प्रयोग शुरू कर दिया गया है ताकि सूत के रंग में सुधार हो सके।

---

**Long Staple Cotton**

**1971. Shri Bibhuti Mishra:**
**Shri N. P. Yadab:**

Will the Minister of **Food and Agriculture** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the acreage under long staple cotton in Maharashtra has gone down during the current year;

(b) if so, the reasons thereof; and

(c) the steps Government propose to take to improve the situation?

**The Deputy Minister in the Ministry of Food and Agriculture (Shri Shahnawaz Khan):** (a) Yes.

(b) The reduction in the area was mainly due to the fact that the wells in the Deccan Canal area had insufficient water to take up planting of Deviraj (170-Co. 2) cotton in the months of April and May.

(c) The State Government of Maharashtra have sanctioned a scheme for supplying polythene bags for raising transplanted cotton at subsidised rate of Rs. 10 per 1,000 bags. This method saves considerable quantity of water during hot season.

**सफेद चीनी**

1972. **श्री योगेन्द्र झा :** क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि उत्तर प्रदेश के कुछ चीनी कारखानों ने गंधक (सल्फर) का प्रयोग किये बिना ही सफेद चीनी बनाने में सफलता प्राप्त कर ली है ;

(ख) देश में सभी चीनी कारखानों ने प्रतिवर्ष कितनी गन्धक (सल्फर) का उपभोग करते हैं ; और

(ग) यदि देश के अन्दर बनने वाली शत प्रतिशत चीनी गंधक के प्रयोग किये बिना ही बने तो इससे कितनी विदेशी मुद्रा की बचत होगी ?

**खाद्य तथा कृषि मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री दा० रा० चव्हाण)** (क) जी नहीं ; तथापि, राष्ट्रीय शर्करा संस्था, कानपुर ने गंधक (सल्फर) का प्रयोग किये बिना सफेद शर्करा का उत्पादन करने के लिए एक प्रक्रिया तैयार की है। इस प्रक्रिया का परीक्षण मैसूर राज्य की शर्करा फैक्ट्री में वाणिज्यिक पैमाने पर किया गया था। और काफी अच्छी सफेद शर्करा तैयार की गयी थी।

(ख) 1964–65 के मौसम में लग-भग 19,000 मीट्रिक टन।

(ग) 1964–65 में गंधक की खपत और भाव के आधार पर लगभग 50 लाख रुपये।

**Consumption of Fertilisers in Rajasthan**

**1973. Shri Inder J. Malhotra:**
**Shri Karni Singhji:**

Will the Minister of **Food and Agriculture** be pleased to state:

(a) the consumption of nitrogenous fertilizers in Rajasthan during each